

पत्र क्र0 एनसीएल/ज0स0वि0/प्रेसवि0/2016-17/165

दिनांक- 11/07/2016

प्रेस विज्ञप्ति

पहली तिमाही में एनसीएल के कोयला उत्पादन में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अप्रैल-जून 2016 में एनसीएल ने निकाला 20.45 मिलियन टन कोयला

सिर्फ जून 2016 में कंपनी ने निकाला 6.81 मिलियन टन कोयला

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉदर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यानी अप्रैल से जून 2016 तक शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.45 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में किए गए उत्पादन से लगभग 12 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एनसीएल ने 18.26 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया था।

यदि जून 2016 यानी सिर्फ पिछले महीने की ही बात करें तो इस अवधि में कंपनी ने 6.81 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान जून महीने में कंपनी का कोयला उत्पादन 6.11 मिलियन टन था। यानी पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष जून में एनसीएल ने 0.70 मिलियन टन अधिक कोयले का उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष जून के उत्पादन से लगभग 11.30 प्रतिशत अधिक है। गौरतलब है कि जून 2016 में एनसीएल का कोयला उत्पादन लक्ष्य 6.76 मिलियन टन था। यानी एनसीएल ने जून महीने के कोयला उत्पादन लक्ष्य से भी 0.05 मिलियन टन अधिक कोयले का उत्पादन किया।

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष में एनसीएल को कुल 82 मिलियन टन कोयला उत्पादन की जिम्मेदारी दी गई है। कंपनी का वार्षिक लक्ष्य, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का प्रदर्शन तथा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के प्रदर्शन का परियोजनावार विवरण निम्न है :-

परियोजना	कोयला उत्पादन लक्ष्य 2016-17 (मिलियन टन में)	पहली तिमाही में कोयला उत्पादन 2016-17 (मिलियन टन में)	पहली तिमाही में कोयला उत्पादन 2015-16 (मिलियन टन में)
अमलोरी	10.50	2.71	2.59
बीना	7.50	1.81	1.82
दुधिचुआ	13.50	3.41	2.96
जयंत	14.50	3.87	3.37
झिंगुरदा	1.20	0.52	0.65
ककरी	1.30	0.43	0.46
खड़िया	8.00	1.93	1.24
निगाही	15.50	3.61	3.56
कृष्णाषिला	5.00	1.13	1.13
ब्लॉक-बी	5.00	1.04	0.48
एनसीएल कुल	82	20.45	18.26

गौरतलब कि पिछले वित्त वर्ष (2015-16) में एनसीएल ने 80.22 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया था, जो कंपनी के लिए निर्धारित 78.51 मिलियन टन से अधिक था। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने कोयला उत्पादन में डबल डिजिट ग्रोथ यानी 10 फीसदी से अधिक ग्रोथ दर्ज की थी, जो कोयला उद्योग के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी गई थी और इसी चौतरफा सराहना हुई थी।